मूल्य 200/-

परीक्षा मंथन®

15 प्रैक्टिस सेट सहित

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

विषयवार-अध्यायवार सॉल्वड पेपर

CTET, TET (UP-TET, MP-TET, UK-TET, B-TET, CG-TET, JH-TET, REET), DSSSB, KVS आदि सहित समस्त राज्य शिक्षक अर्हता परीक्षा एवं सहायक अध्यापक परीक्षा (Super TET) के लिए अत्यंत उपयोगी

अध्ययन सामग्री एवं विगत वर्षों के सॉल्वड पेपर

	सूची एवं संपादकीय	1-2
1.	शिक्षा एवं मनोविज्ञान	3-8
2.	शिक्षा मनोविज्ञान में अध्ययन की विधियां	9-11
3.	बाल विकास के सिद्धांत	12-18
4.	विकास की अवधारणा और इसका सीखने (अधिगम) से संबंध	19-24
5.	वंशानुक्रम तथा वातावरण	25-30
6.	समाजीकरण	31-37
7.	कोहलबर्ग, पियाजे, वाइगोत्स्की	38-47
8.	बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणाएँ	48-53
9.	बुद्धि निर्माण एवं बहुआयामी बुद्धि	54-63
10.	भाषा और चिंतन	64-68
11.	सामाजिक निर्माण में लैंगिक मुद्दे	69-74
12.	वैयक्तिक विभिन्नता	75-78
13.	शिक्षण एवं अधिगम	79-85
14.	अभिरुचि/रुचि/अभिक्षमता	86-90
15.	स्मृति एवं विस्मरण	91-93
16.	मूल्यांकन/आकलन	94-101
17.	विविध पृष्ठभूमि से वंचित, पिछड़े, विकलांग तथा मानसिक विकार वाले बालकों की पहचान	102-109
18.	प्रतिभाशाली, सृजनात्मक तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों की पहचान	110-116
19.	संवेग तथा संज्ञान	117-123
20.	शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान	124-125
21.	समावेशी शिक्षा तथा निर्देशन एवं परामर्श	126-132
22.	प्रमुख व्यक्तित्व	133-136
23.	परीक्षोपयोगी स्मरणीय तथ्य (वनलाईनर)	137-145
24.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020	146-146
	हल प्रश्नपत्र : 2022-2025-26	147-172
	प्रैक्टिस सेट : 1-15	173-200

मूल्य : 200/- (दो सौ रुपए मात्र)

एडवाइजरी

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

प्रिय पाठकों,

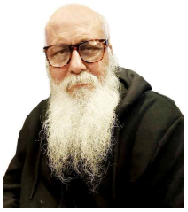

परीक्षा मंथन का यह अंक केन्द्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (CTET), TET (UP-TET, MP-TET, UK-TET, B-TET, CG-TET, JH-TET, REET), DSSSB, KVS आदि सहित समस्त राज्य शिक्षा अर्हता परीक्षा एवं सहायक अध्यापक परीक्षा (Super TET) प्राथमिक स्तर एवं उच्च प्राथमिक स्तर को समर्पित है। इस अंक के विशेष आकर्षण में NCERT, बेसिक शिक्षा परिषद एवं डी.एल.एड. के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र को संक्षिप्त एवं सारगर्भित तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जो CTET, TET और Super-TET की परीक्षा को पूर्ण रूप से कवर करेगा।

इस पुस्तक में विद्यार्थियों के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2023 से 2025-26 तक के केन्द्रीय शिक्षक पात्रता (CTET) परीक्षा के हल प्रश्नपत्रों सहित 15 प्रैक्टिस सेट को भी कवर किया गया है जो वर्ष 2026-27 में होने वाली CTET, TET और Super-TET की परीक्षाओं में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

आशा है कि यह विशेष अंक आगामी परीक्षा के लिए परीक्षोपयोगी सिद्ध होगा और परीक्षा में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

परीक्षा की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ...

आपका
अनिल अग्रवाल
संपादक

संपादक : अनिल अग्रवाल

© सर्वाधिकार : प्रकाशक

प्रधान कार्यालय : 7R/5 कैलाशपुरी कॉलोनी, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइंस, प्रयागराज-211001

मोबाइल नं. : 09335151971

website : www.manthanprakashan.in

email : manthan.prakashan@gmail.com

www.facebook.com/parikshamanthan

Telegram Channel : https://t.me/ParikshaManthan

Follow Instagram :

https://www.instagram.com/ParikshaManthan

YouTube channel : youtube.com/ParikshaManthanOfficial

पंजीकरण संख्या : 64777/96

मूल्य : 200/- (दो सौ रुपये मात्र)

(सभी विवादों का निपटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरमों में ही किया जायेगा।)

SCAN TO PAY
WITH ANY BHIM UPI APP

Merchant Name : MANTHAN PRAKASHAN

vpa : manth81275631@barodampay

1 शिक्षा एवं मनोविज्ञान

- शिक्षा मनोविज्ञान से आशय शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को सुधारने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का प्रयोग करने से है। यह शैक्षिक परिस्थिति में व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन करता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान विधायक और नियामक दोनों प्रकार का विज्ञान है। विधायक विज्ञान तथ्यों पर आधारित होता है, वहीं नियामक विज्ञान मूल्यांकन पर आधारित होता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान न पूर्ण रूप से कला है और न ही पूर्ण विज्ञान/ बल्कि यह कला और विज्ञान दोनों है। शिक्षक अपने कला और कौशल से बालकों में अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न करता है तथा बालक अपनी रूचि, अभिप्रेरणा, आवश्यकतानुसार अधिगम प्रक्रिया में भाग लेता है। इसलिए इसे विध्यात्मक विज्ञान भी कहा जाता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान की दृष्टि से 'बच्चे अपने ज्ञान का सृजन स्वयं करते हैं।' अर्थात बच्चों को सिखाने के लिए मात्र अधिगम परिस्थिति की उपस्थिति आवश्यक होती है तथा उन्हें अधिगम के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता होती है जिसमें बच्चे स्वयं सक्रिय सहभागिता द्वारा अधिगम अनुभव प्राप्त करते हैं।
- शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। इसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है, और उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है।
- **प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक 'सुकरात' के अनुसार** : 'शिक्षा का अर्थ उन सर्वमान्य विचारों को विकसित करना है, जो प्रत्येक मनुष्य के मस्तिष्क में विलुप्त है।'
- प्लेटो ने अपनी पुस्तक 'Republic' में शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा कि- 'शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास की प्रक्रिया ही शिक्षा है।'
- **अरस्तू के अनुसार** : 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण करना ही शिक्षा है।' 'Education is the creation of a sound mind in a sound body'
- **जान ड्यूवी के अनुसार** : शिक्षा व्यक्ति की उन समस्त क्षमताओं का विकास करना है, जो उसे अपने वातावरण को नियन्त्रित करने तथा अपनी सम्भावनाओं को पूरा करने योग्य बनायेगी।
- **हरबर्ट स्पेंसर के अनुसार** : 'शिक्षा का अर्थ अंतःशक्तियों का बाह्य जीवन से समन्वय स्थापित करना है।'
- **पैस्टालॉजी (Pestalozzi) के अनुसार** : शिक्षा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक, समरस और प्रगतिशील विकास है।
- **व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक वुडवर्थ के शब्दों में** : 'मनोविज्ञान वातावरण के सम्पर्क में होने वाले मानव व्यवहारों का विज्ञान है।'
- **वी.एफ. स्कीनर के शब्दों में** : 'मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।'
- **गैरिसन के अनुसार** : 'मनोविज्ञान का सम्बन्ध प्रत्यक्ष मानव व्यवहार से है।'
- **मैकडूगल के शब्दों में** : 'मनोविज्ञान 'आचरण' एवं 'व्यवहार' का यथार्थ विज्ञान है।'
- वॉटसन ने मनोविज्ञान को व्यवहार के धनात्मक विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है।'
- **मनौवैज्ञानिक मोर्गन के शब्दों में** : मनोविज्ञान मानव एवं पशु व्यवहार का विज्ञान है।'
- **मनोवैज्ञानिक क्रो व क्रो के शब्दों में** : 'मनोविज्ञान मानव व्यवहार और मानव सम्बन्धों का विज्ञान है।'
- वास्तव में शिक्षा में मनोवैज्ञानिक आन्दोलन को प्रारम्भ करने का श्रेय 'सामाजिक समझौतावादी' राजनीतिक एवं प्रकृतिवादी विचारक जीन जेकस रूसो के सिद्धान्तों में मिलता है। जिसने अपनी पुस्तक एमिल (Emile) में शिक्षाशास्त्रियों का ध्यान बालक की शिक्षा की ओर दिया। रूसो ने अपनी पुस्तक सामाजिक समझौता (Social contrict) में कहा है कि 'प्रकृति की ओर लौटो' अर्थात् अहंकार का परित्याग करो।
- शिक्षा को परिभाषित करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था 'शिक्षा का तात्पर्य व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा के समुचित विकास से है।'
- हिंदी में शिक्षा का अर्थ 'ज्ञान' से लगाया जाता है। अंग्रेजी में इसे Education कहा जाता है। Education शब्द लैटिन भाषा के Educatum से निकला हुआ है, जिसका सामान्य अर्थ होता है- 'to bring up together'।
- जहाँ शिक्षा का स्वरूप संश्लेषणात्मक होता है, वहीं शिक्षा मनोविज्ञान का स्वरूप विश्लेषणात्मक होता है। यह वस्तुपरक विज्ञान की श्रेणी में आता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान को व्यवहार के विज्ञान की श्रेणी में भी रखा जाता है, क्योंकि इसके अंतर्गत शैक्षणिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए बालक के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।
- शैक्षणिक परिस्थितियों के अंतर्गत बालक के व्यवहार का अध्ययन करना ही शिक्षा मनोविज्ञान की विषयवस्तु है। इसका सीधा संबंध शिक्षण में अधिगम क्रियाकलापों से है।

- शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की मदद करना तथा शिक्षकों को शिक्षा संबंधी आवश्यक मनोवैज्ञानिक तथ्यों से परिचित कराकर उनके कार्यों को आसान बनाना है ताकि वे शिक्षार्थियों को विकास के पथ पर निर्देशित कर सकें। सामान्य अर्थों में शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों में सहायता प्रदान करना होता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान छात्र केंद्रित शिक्षा पर अधिक बल देता है।
- गुथरी महोदय ने बाल अधिगम विकास में पुरस्कार को महत्त्व नहीं दिया।
- गेस्टाल्ट सिद्धांतवादी ने 'सीखने के अंतर्दृष्टि सिद्धांत' को बढ़ावा दिया।
- अधिगम का व्यावहारिक सिद्धांत संबद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धांत है।
- 'सीखने की तत्परता' सीखने के सातत्य में शिक्षार्थियों के वर्तमान संज्ञानात्मक स्तर की ओर संकेत करती है।
- परिपक्वता एवं आयु अधिगम को प्रभावित करने वाले व्यक्तिगत कारक हैं।
- प्रवीणता अभिमुखी लक्ष्यों पर जोर देकर अधिगम की अभिप्रेरणा को कायम रखा जा सकता है।
- 'संतुलित उत्तेजना, कोई भय नहीं' अधिगम की सर्वोत्तम अवस्था है।
- बच्चों के अधिगम में शारीरिक स्वास्थ्य और सांवेगिक अवस्था की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- कक्षा में प्रभावशाली अधिगम के लिये सहयोगिक वातावरण की रचना करनी चाहिये बजाय प्रतिस्पर्द्धिक वातावरण के।
- जहाँ शिक्षा का स्वरूप संश्लेषणात्मक होता है, वहीं शिक्षा मनोविज्ञान का स्वरूप विश्लेषणात्मक होता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य शिक्षकों को अपने शैक्षणिक कार्यों में सहायता प्रदान करना होता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षार्थियों में बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं की विशेषता को समझने में मदद प्रदान करता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षार्थियों की वैयक्तिक विभिन्नता को समझने में मदद प्रदान करता है।
- शिक्षा मनोविज्ञान के अनुसार बच्चे अपने ज्ञान का सृजन स्वयं करते हैं।
- शिक्षक का आदर्श रूप में व्यवहार करना बच्चों में नैतिकता की स्थापना के लिए सर्वोत्तम मार्ग है।
- शिक्षा का अतिमहत्त्वपूर्ण उद्देश्य है बच्चों का सर्वांगीण विकास करना।
- बाल मनोविज्ञान के अनुसार प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है।
- स्किनर महोदय ने कहा था, ''मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।''
- शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन अध्यापक को इसलिए करना चाहिए कि इसकी सहायता से अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बना सके।
- शिक्षण ज्ञानार्जन है।
- मनोविज्ञान का शाब्दिक अर्थ मन का विज्ञान है।
- मोर्गन के अनुसार 'मनोविज्ञान मानव एवं पशु व्यवहार का विज्ञान है।'
- शिक्षा मनोविज्ञान में मानव व्यवहार की शैक्षणिक परिस्थितियों का अध्ययन किया जाता है।
- मनोविज्ञान से तात्पर्य है 'व्यवहार का विज्ञान।'
- मैकडूगल के अनुसार 'मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहार एवं आचरण का यथार्थ विज्ञान है।'
- शिक्षा को मनोवैज्ञानिक आधार की आवश्यकता बालकों के आन्तरिक एवं बाह्य गुणों का पता लगाने तथा शैक्षिक समस्याओं के समाधान हेतु है।
- शिक्षा की दृष्टि से बालक की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता 'बालकों के साथ मनोवैज्ञानिक व्यवहार' है।
- स्किनर के कथनानुसार 'शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षण विधियों के चयन में शिक्षक की सहायता करता है।'
- मनोविज्ञान विधायक विज्ञान है।
- निरीक्षण विधि में दूसरों का अध्ययन किया जाता है।
- मनोविज्ञान की उचित विषयवस्तु व्यवहार है।
- स्किनर के अनुसार 'मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।'
- एडम्स ने 'शिक्षा को द्विध्रुवीय कहा है।'
- शिक्षा के तीन ध्रुव हैं- 'शिक्षक, शिक्षार्थी, पाठ्यक्रम'।
- शिक्षा को 'त्रिध्रुवीय मानने वाले प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री जॉन डी.वी. अमेरिका के निवासी थे।
- शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने के लिए 'संपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया का सतत मूल्यांकन' आवश्यक है।
- वैदिक काल में शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य 'मोक्ष की प्राप्ति' था।
- वैदिक काल में शिक्षा का आरंभ 'उपनयन संस्कार' से होता था।
- 'समावर्तन' के समकक्ष संस्कार 'उपसम्पदा' है।
- मुस्लिम काल में प्रारंभिक शिक्षा 'मकतब' में दी जाती थी।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'मनोविज्ञानशाला', उत्तर प्रदेश में कहां स्थित है?

(a) लखनऊ (b) इलाहाबाद

(c) आगरा (d) वाराणसी

UPTET-II, 2018

2. संरचनावादी उपागम बताता है कि.....ज्ञान की संरचना के लिए अत्यंत आवश्यक है।

(a) विद्यार्थी का पूर्वाज्ञान (b) अनुबंधन

(c) दंड (d) यंत्रवत याद करना

CTET-II, 2019

3. निम्न में से कौन शिक्षाशास्त्रीय पद्धति एक संरचनावादी कक्षा के लिए उपयुक्त नहीं है?

(a) बहुआयामी परिप्रेक्ष्यों को प्रोत्साहन

(b) सामूहिक सहयोगिता

(c) वेधन व दोहराव

(d) प्रयोगात्मकता

CTET, 2022

4. प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की स्थापना किसने की थी?

(a) गाल्टन (b) हल

(c) वुण्ट (d) वॉटसन

HP-TET (TGT), 2019
HP-TET (TGT), 2014
Bhiar-TET, 2013

5. छात्र अधिगम का वार्क (WARK) मॉडल इनके द्वारा प्रस्तावित किया गया था?

(a) कोह्लबर्ग (b) नील फ्लेमिंग

(c) पियाजे (d) ई. इरिक्सन

MP-TET (VI-VIII), 2019

6. शिक्षा मनोविज्ञान की उत्पत्ति का वर्ष कौन-सा माना जाता है?

(a) 1947 (b) 1920

(c) 1940 (d) 1900

DSSSB PRT
Bihar TET (VI-VIII), 2013

7. औपचारिक वातावरण में होने वाले अधिगम का ..... द्वारा अध्ययन किया जाता है?

(a) मानवविज्ञानी (b) शिक्षा मनोविज्ञानी

(c) नैदानिक मनोविज्ञानी (d) सामाजिक मनोविज्ञानी

MP-TET (VI-VIII), 2019

8. 'व्यक्ति बिना किसी अंतर्निहित मानसिक प्रकरण के पैदा होते हैं, और इसलिए सभी ज्ञान अनुभव या धारणा से आते हैं' इस धारणा को ..... के रूप में संदर्भित किया जाता है?

(a) मासूम नोटा (तबुला नोटा)

(b) मासूम मनः स्थिति (तबुला रास)

(c) मासूम पहिला (तबुला प्राइमस)

(d) मासूम नोवस (तबुला नोवस)

MP-TET (VI-VIII), 2019

9. विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्त्ताओं को संबोधित करने हेतु, एक अध्यापक को—

(a) सभी के लिये मानकीकृत आकलनों का इस्तेमाल करना चाहिये।

(b) ऐसे कथनों का इस्तेमाल करना चाहिये जो नकारात्मक रूढ़िबद्ध धारणाओं को मजबूत करें।

(c) विविधता संबंधी मुद्दों पर बातचीत टालनी चाहिये।

(d) विविध विन्यासों के उदाहरण लेने चाहिये।

CTET, 2021

10. अधिगम कठिनाइयों से जूझते छात्रों की जरूरतों को संबोधित करने के लिये एक अध्यापक को क्या नहीं करना चाहिये?

(a) व्यक्तिगत शैक्षिक योजना बनाना

(b) शिक्षाशास्त्र और आकलन की जटिल संरचनाओं का प्रयोग

(c) दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का इस्तेमाल

(d) संरचनात्मक शिक्षाशास्त्रीय उपागमों का इस्तेमाल

CTET, 2021

11. निम्नलिखित में से अध्यापन-अधिगम का सबसे प्रभावशाली माध्यम कौन-सा है?

(a) बिना विश्लेषण के अवलोकन करना

(b) अनुकरण/नकल और दोहराना

(c) विषय-वस्तु को यंत्रवत याद करना

(d) संकल्पनाओं के बीच संबंध खोजना

CTET, 2021

12. अधिगम की अभिप्रेरणा को किस प्रकार कायम रखा जा सकता है?

(a) बच्चों को बहुत आसान क्रिया-कलाप देकर

(b) यंत्रवत याद करने पर जोर देकर

(c) बच्चे को दंड देकर

(d) प्रवीणता अभिमुखी लक्ष्यों पर जोर देकर

CTET, 2021